(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) बिजली उत्पादन की वर्तमान क्षमता का चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान क्रमागत योजनाओं और नई योजनाओं के द्वारा सवर्धन करने के लिये प्रस्ताव प्रतिपादित किये गये हैं। 1973-74 के लिये लक्ष्य निर्धारित करने में अतिरिक्त एल्यूमिनियम उत्पादन क्षमता के लिये बिजली की आवश्यकताओं को सिंचाई तथा बिजली मन्त्रालय द्वारा विचार में ले लिया गया है।

पठानकोट रेलवे स्टेशन पर पुलिस द्वारा लाठी चलाया जाना

56. **श्री लखन लाल कपूर :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 19 सितम्बर, 1968 को केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की सांकेतिक हड़ताल के दौरान पठानकोट रेलवे स्टेशन पर पुलिस द्वारा बिना पूर्व चेतावनी दिये लाठी चलाई जाने के परिणामस्वरूप दर्जनों महिला सत्याग्रही घायल हुई थीं;

(ख) क्या यह भी सच है कि पुलिस ने भागते हुए लोगों को लोको शैड के निकट घेर लिया और उन पर गोली चलाई, जिसके परिणामस्वरूप बहुत से व्यक्तियों की मृत्यु हो गई;

(ग) क्या यह भी सच है कि पुलिस ने रेलवे क्वार्टरों के दरवाजे तोड़े और उनमें घुस गई और पुरुषों तथा महिलाओं पर गोली चलाई तथा उन्हें बन्दूक के कुन्दों से पीटा; और

(घ) यदि हां, तो गोली चलाई जाने के कारण कितने व्यक्ति मारे गये और लाठियों तथा बन्दूक के कुन्दों से पीटे जाने के परिणामस्वरूप घायल हुए कितने व्यक्तियों को अस्पताल में दाखिल किया गया ?

रेलवे मंत्री (श्री जे० मु० पुनाचा): (क) 19 सितम्बर, 1968 को पठानकोट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं० 1 पर कुछ लोग नं० 4 जे० एम० पी० गाड़ी का रास्ता रोके रहे थे। जब पुलिस ने उनको वहां से उठाकर हटाने की कोशिश की, तो भीड़ ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिये। सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट द्वारा हिंसक भीड़ को तितर-बितर होने की चेतावनी देने के बाद उनके आदेश पर पुलिस ने हल्का लाठी चार्ज किया जिसमें 3 महिलाओं को हल्की चोटें आयीं।

(ख) और (घ) : जी नहीं। जन-जीवन और सरकारी सम्पत्ति के तत्कालिक खतरे को दूर करने के लिए पुलिस को सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट के आदेश पर उस हिंसक भीड़ पर गोली चलानी पड़ी जो लोको शैड के पास इकट्ठी हो गयी थी, जिसने पुलिस पर हमला किया और पत्थर फेंके और जो माल गोदाम में आग लगाने के उद्देश्य से उस ओर बढ़ रही थी। इससे 2 व्यक्ति घटनास्थल पर मारे गये और 32 घायल हो गये। बाद में घायल व्यक्तियों में से तीन की चोट के कारण अस्पताल में मृत्यु हो गयी।

(ग) जी नहीं।

पंजाब में औद्योगिक विकास

57. **श्री हरदयाल देवगुण :**
श्री राम सिंह अयरवाल
श्री बलराज मधोक :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1957-67 के दौरान पंजाब में औद्योगिक विकस के लिए किन व्यक्तियों, फर्मों और कम्पनियों को ऋण मंजूर किये गये और कितनी राशि की मंजूरी की गई;

(ख) क्या यह सच है कि उनमें से कुछ कम्पनियां फर्जी थी और उन्होंने कोई औद्योगिक एकक स्थापित नहीं किये; और

(ग) यदि हां, तो उनके नाम क्या हैं तथा उनके विरुद्ध सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से